

● सुनो, समझो और गाओ :

२. तूफानों से क्या डरना

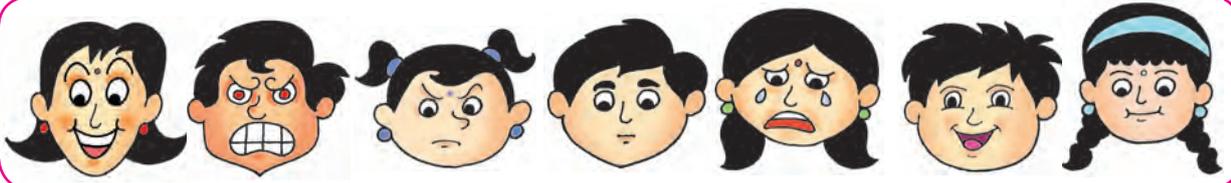
- शिखा शर्मा

परिचय : शिखा शर्मा प्रसिद्ध कवयित्री मानी जाती हैं ।
प्रस्तुत कविता में मनुष्य की जुझारू वृत्ति को दर्शाया गया है ।



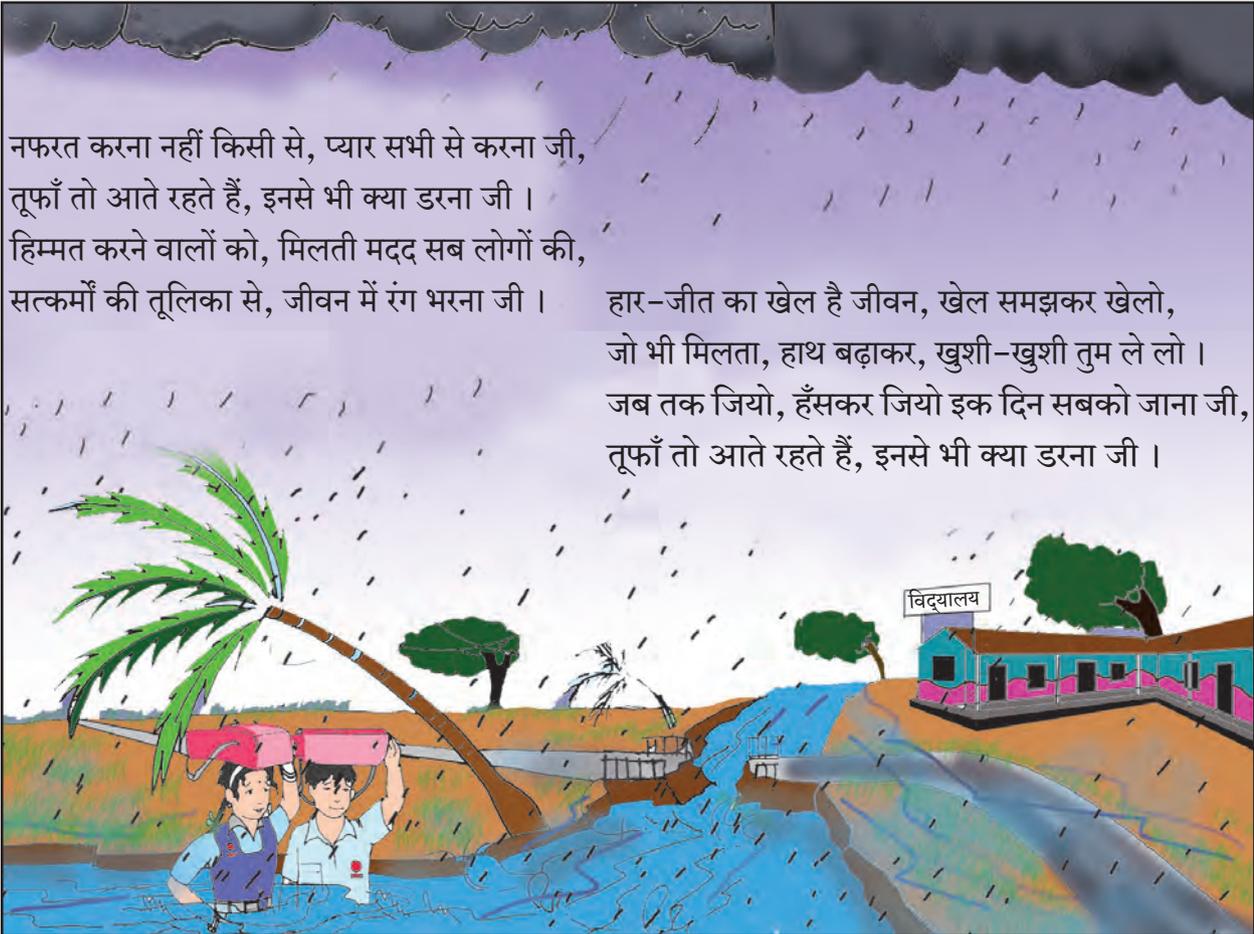
स्वयं अध्ययन

* चित्र देखकर हाव-भाव की नकल करो ।



नफरत करना नहीं किसी से, प्यार सभी से करना जी,
तूफ़ाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी ।
हिम्मत करने वालों को, मिलती मदद सब लोगों की,
सत्कर्मों की तूलिका से, जीवन में रंग भरना जी ।

हार-जीत का खेल है जीवन, खेल समझकर खेलो,
जो भी मिलता, हाथ बढ़ाकर, खुशी-खुशी तुम ले लो ।
जब तक जियो, हँसकर जियो इक दिन सबको जाना जी,
तूफ़ाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी ।

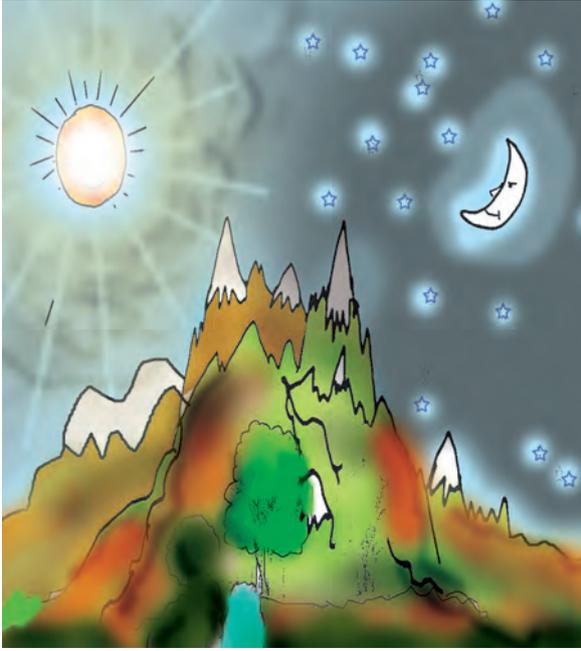


□ विद्यार्थियों का ध्यान लयात्मकता की ओर आकर्षित करते हुए कविता शीघ्रता से कहलवाएँ । उनसे मुखर वाचन, मौन वाचन करने के लिए कहें, फिर नए शब्दों के अर्थ पूछें । कविता में आए जीवन मूल्यों पर गहन विश्लेषणात्मक चर्चा कराएँ ।



खोजबीन

भारतीय स्थानीय समय के अनुसार देश-विदेश के समय की तालिका बनाओ ।



धूप-छाँव जीवन का हिस्सा, कभी उजाला, कभी अँधेरा,
रात हो चाहे जितनी लंबी, उसका भी है अंत सवेरा ।
समय एक-सा कभी न रहता, थोड़ा धीरज धरना जी,
तूफ़ाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी ।



देह-अभिमान के कारण, देखो कितनी महामारी है,
सबको सच्ची राह दिखाना, अपनी जिम्मेदारी है ।
आत्मज्ञान के दीप जलाकर, दूर अँधेरा करना जी,
तूफ़ाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी ।



मैंने समझा



शब्द वाटिका

नए शब्द

सत्कर्म = अच्छा कार्य

अभिमान = घमंड

महामारी = संक्रामक भीषण रोग

तूलिका = ब्रश

धीरज = धैर्य

आत्मज्ञान = स्वयं का ज्ञान

देह = शरीर

भाषा की ओर



कविता में आए किन्हीं पाँच शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखो ।

..... ×

..... ×

..... ×

..... ×

..... ×



सुनो तो जरा

रेडियो पर एकाग्रता से भजन सुनो और दोहराओ ।



बताओ तो सही

'साक्षरता अभियान' के बारे में जानकारी बताओ ।



वाचन जगत से

मीरा का पद पढ़ो और सरल अर्थ बताओ ।



मेरी कलम से

महीने में एक बार कविता का श्रुतलेखन करो ।



जरा सोचो चर्चा करो

यदि समय का चक्र रुक जाए तो

*** इस कविता का सार लिखो ।**

सदैव ध्यान में रखो



हमारी सोच सकारात्मक होनी चाहिए ।



विचार मंथन



॥ करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ॥



अध्ययन कौशल



समाज सेवी महिला की जीवनी पढ़कर प्रेरणादायी अंश चुनो और बताओ ।



समझो हमें

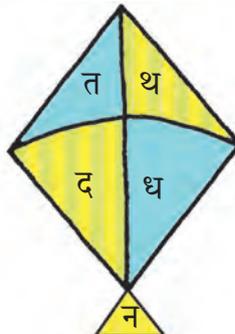
*** पंचमाक्षर (ङ, ज, ण, न, म) के अनुसार पतंगों में उचित शब्दों की जोड़ियाँ मिलाओ ।**

जैसे-कंगना

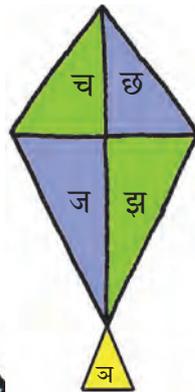
कंगना, संघमित्रा
पंख, कंकाल



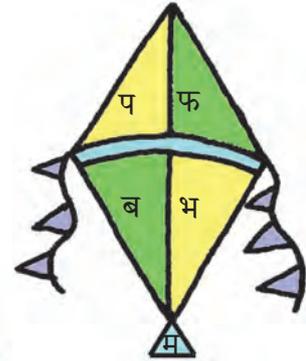
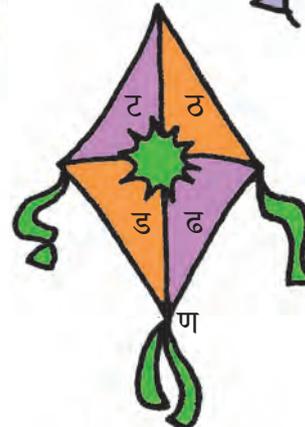
गंधर्व, अंदर
अंतिम, मंथन



चंचल, जंजाल
पंछी, झंझा



कंठ, डंडा
पंढरी, घंटा



चंबल, इंफाल
अचंभा, चंपारन